



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 4, 1992 (पौष 14, 1913)
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1992 (PAUSA 14, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई अधिनियम नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उचितियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिष्ठान पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और बिजायनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II—खण्ड 1—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—प्रैग्जी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्ज करने वाला अनुपूरक
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	

*आंकड़े प्राप्त नहीं।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1— Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)— Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India (of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	PART II—SECTION 4— Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3— Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1— Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
PART I—SECTION 4— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 2— Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1
PART II—SECTION 1— Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3— Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A— Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4— Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 2— Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV— Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)— General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V— Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)— Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों में संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

संलग्न मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1991

संकल्प

सं० 6/4/90-ई० पी० जेड०—वाणिज्य मंत्रालय के दिनांक 24 दिसम्बर, 1990 तथा 22 जुलाई, 1991 के संकल्प सं० 6/4/90-ई० पी० जेड० के द्वारा भुक्त पत्तन के सम्बंध में गठित सहायकार समिति की समयावधि दिनांक 31 दिसम्बर, 1991 तक बढ़ा दी गई है।

2 हमारे विचारार्थ विषय तथा अन्य विवरण वही रहेंगे जो दिनांक 24 दिसम्बर, 1990 तथा 22 जुलाई, 1991 के संकल्प में दिए गए हैं।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिमित्रमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आर० प्रमोदचलम,
अध्यक्ष

रक्षा मंत्रालय

(शुपि एवं सहायकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1991

संकल्प

सं० 24-1/91-सी० ए०-2—भारत सरकार ने 31 जनवरी, 1991 के संकल्प सं० 24-1/88-सी० ए०-2 के तहत गठित भारतीय गन्ना विकास परिषद् को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया है। पुनर्गठित परिषद् की संरचना इस प्रकार होगी :—

1 अध्यक्ष :

भारत सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक और सरकारी व्यक्ति

2 उपाध्यक्ष :

कृषि मंत्रालय (कृषि और सहायकारिता विभाग) में भारत सरकार के कृषि आयुक्त।

3 सदस्य :

(क) रासद सदस्य :

तीन संसद सदस्य जिनका नामांकन संसदीय कार्य विभाग द्वारा किया जायेगा। दो लोक सभा के तथा एक राज्य सभा से।

(ख) राज्य सभा सरकारों के प्रतिनिधि :

निम्नलिखित राज्य सरकारों का एक-एक प्रतिनिधि जो गन्ना विकास का कार्य देख रहे विभाग में होगा तथा सम्बंधित राज्य सरकार द्वारा नामित किया जायेगा —

(1) आन्ध्र प्रदेश

(2) बिहार

(3) हरियाणा

(4) कर्नाटक

(5) महाराष्ट्र

(6) पंजाब

(7) तमिलनाडु

(8) उत्तर प्रदेश

(ग) केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि :

(1) मृदा निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् या उसका नामित।

(2) सहायकार (कृषि), योजना आयोग।

(3) वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रतिनिधि।

(4) शुद्ध निदेशक (गन्ना)।

(5) संयुक्त सचिव (विस्तर) कृषि और सहायकारिता विभाग।

(6) निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, राय बरंगी रोड, झरखर, दिल्ली, गजिन-21।

(7) परियोजना समन्वयक (गन्ना) भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, गजिन-21।

(8) परियोजना समन्वयक (शुकरवार) उत्तर प्रदेश कृषि विश्व-विद्यालय, पल नगर, जिला नैनी ताल।

(9) नार्मल पूरति विभाग का एक प्रतिनिधि।

(10) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बैंक (नाबाई) का प्रतिनिधि।

(11) कृषि और सहायकारिता विभाग में गन्ने से संबंधित कार्य देखने वाला संयुक्त आयुक्त।

(घ) उत्पादकों के प्रतिनिधि :

(क) गन्ना उगाने वाले निम्नलिखित राज्यों से संबंधित राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला उत्पादकों का एक-एक प्रतिनिधि —

(1) आन्ध्र प्रदेश

(2) बिहार

(3) हरियाणा

(4) कर्नाटक

(5) महाराष्ट्र

(6) पंजाब

- (7) तमिलनाडु
(8) उत्तर प्रदेश
(ख) भारत सरकार द्वारा नामित उत्पादकों का एक प्रतिनिधि।
(क) उद्योग के प्रतिनिधि
(1) भारतीय चीनी मिल संघ का एक प्रतिनिधि।
(2) राष्ट्रीय सहकारी चीनी फैक्टोरियों के परिषद का एक प्रतिनिधि
(3) गुड़ और खाड़मारी पत्र का एक प्रतिनिधि (उत्तर प्रदेश) सरकार द्वारा नामित।
(घ) व्यापारिक वर्ग के प्रतिनिधि
निम्नलिखित शहरों के चीनी व्यापारी वर्गों के प्रत्येक के एक-एक प्रतिनिधि —
(1) बम्बई
(2) कोलपुर
(3) कलकत्ता।
(छ) मजदूरों के प्रतिनिधि
(1) फार्मी पर कार्यरत—एक।
(2) कारखानों में कार्यरत—एक।
(ज) ऐसे अन्य व्यक्ति जिनको भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित किया जाता है।
(4) सदस्य सचिव
निदेशक, गन्ना विकास निदेशालय, कृषि और सहकारिता विभाग, सी० जी० ओ० बिल्डिंग, हाल नं० 331-332 (सीसरी मजिल) हापुड़ रोड चूगी, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।

- (5) निरीक्षक
(जो परिषद के सदस्य नहीं होंगे, परन्तु परिषद के विचार-विमर्शों में सहायता देने के लिए नियमित तौर पर आमंत्रित किये जायेंगे)।
(1) कृषि विपणन सहायकार ग्रामाण विकास विभाग, कृषि मंत्रालय, अथवा उसका प्रतिनिधि।
(2) वित्तीय सहायकार, कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय।
(3) निदेशक, राष्ट्रीय गन्ना संस्थान, कोलपुर अथवा उसका प्रतिनिधि।
(4) निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर अथवा उसका प्रतिनिधि।
(5) अर्थ व माध्यमिक सहायकार, कृषि मंत्रालय, अथवा उसका प्रतिनिधि।
(6) राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम का एक प्रतिनिधि।
(7) प्रबन्ध निदेशक, नेफेड।

2. परिषद् एक परामर्शदात्री निकाय होगी और उसके निम्नलिखित कार्य होंगे —

- (1) गन्ने और चुकन्दर फसलों के मामलों में केन्द्रीय व राज्य क्षेत्रों के विकासात्मक कार्यक्रमों पर विचार करना, समय-समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करना और गन्ने तथा चुकन्दर के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए उपाय सिफारिश करना।
(2) गन्ने और चुकन्दर उत्पादकों के उत्पादन, विपणन, परिवहन, संग्रहण और परिवहन सम्बन्धी समस्याओं पर विचार करना और इन मामलों में भारत सरकार को सुझाव देना।
(3) घरेलू और निर्यात बाजारों में गन्ने और चुकन्दर की विभिन्न किस्मों के मांगों पर विचार करना और इसके अनुसार गन्ने और चुकन्दर उत्पादन कार्यक्रम में आवश्यक समायोजन के बारे में सरकार को सुझाव देना।
(4) गन्ने और चुकन्दर से उत्पादन के सम्बन्ध में छोटे और सीमान्त किसानों की विशेष आवश्यकताओं पर विचार करना और

उनको पूरी करने के लिए उपयुक्त उपायों का सुझाव देना।

- (5) गन्ने और चुकन्दर के सम्बन्ध में अनुसंधान और विकासात्मक कार्यक्रमों के बीच समन्वय स्थापित करना और गन्ने तथा चुकन्दर की गुणवत्ता तथा उत्पादकता में सुधार लाने की आवश्यकता के बारे में सुझाव देना और
(6) ऐसे अन्य सम्बन्धित मामलों पर सरकार को सुझाव देना जिसे समय-समय पर आवश्यक समझा जाता है।

3. विशेष मामलों की देख-भाल करने के लिए और कृषि विषय-विज्ञानों के प्रतिनिधियों जैसे सब्जियों को सहयोजित करने के लिए और जब कभी भी आवश्यक हो, विशेष उद्देश्यों के लिए अन्य विशेष हितों के लिए परिषद् को तकनीकी समिति, स्थायी समिति और तदर्थ समिति स्थापित करने का अधिकार होगा।

4. ऐसे क्षेत्रों में जहाँ गन्ने और चुकन्दर की खेती होती है, और गन्ने तथा चुकन्दर के व्यापार और उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर परिषद, आधिकारिक तौर पर बैठकें करेंगी और भारत सरकार को सुझाव देगी।

5. जब तक सरकार के एक मन्त्रालय द्वारा इसे समाप्त नहीं कर दिया जाता है, परिषद् काम करती रहेगी। परिषद् के अध्यक्ष और अन्य गैर-सरकारी सदस्यों का कार्य काल उस तारीख से तीन वर्ष होगा जब परिषद, के लिए उनको नामित किया जाता है, जब तक कि भारत सरकार के विशेष आदेश द्वारा हम अधि को कम अथवा अधि नहीं कर दिया जाता है।

6. परिषद् के दो सदस्य जो संसद के सदस्यों में से नामित किए गये हैं उनकी संसद की सदस्यता समाप्त हो जाने पर परिषद की सदस्यता भी समाप्त हो जायेगी।

आदेश

1. आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्र के प्रशासन, भारत सरकार के मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डलीय सचिवालय, प्रधान मंत्रों के कार्यालय, लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाये।

2. आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचनाएँ संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

बी० के० मित्तल,
संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1992

सं. 91/ई. (जी. आर.) 1/10—यांत्रिकी इन्जीनियरों का भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से सूच्य लोक सेवा आयोग द्वारा 1992 में की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संस्था में किया

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग में ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कैनिया, उगांडा तथा तंजानिया समूह गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी वंशों से या जांबिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

एसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उनकी आयु 1 जनवरी, 1992 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1972 से पहले और 1 जनवरी, 1976 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील दी जा सकती है —

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भारत मूल का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ हो या प्रत्यावर्तित होकर आने वाला हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का भारत मूल का व्यक्ति हो जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या प्रत्यावर्तित होकर आने वाला हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए

गए ऐसे रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) 1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कवाचार या अक्षमता के आधार पर नश्वर न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1992 से एक वर्ष के अन्दर पूरा न होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(7) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कवाचार या अक्षमता के आधार पर नश्वर न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1992 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक।

(8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिनमें 1 जनवरी, 1992 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष।

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिनमें 1 जनवरी, 1992 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी

बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल राजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आय सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।

टिप्पणी 1—“भूतपूर्व सैनिक” शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियमावली, 1979 में से भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुन. राजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियमावली के नियम 5(ख) (6) और 5 (ख) (7) के अधीन आय सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं।

6 उम्मीदवार न—

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;

(ख) स्कूला शिक्षा का (10+2) प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकण्डरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष की डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा को राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या सहाय विश्वविद्यालय (मान्य कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर/माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या स्कूल परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय को पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(च) किसी विश्वविद्यालय के पाचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पाचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की परीक्षा या प्रथम द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे आवेदन-पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या

(छ) केंद्रीय और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालयों/बोर्डों द्वारा इंटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी नहीं दी गई हो उन्हें भी वैकल्पिक दृष्टि से पास समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तियों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालयों/बोर्डों द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—काई ऐसा उम्मीदवार जा कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसमें पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसकी परीक्षा-फल की सूचना उसने नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेज सकता है। यदि काई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है या वह भी आवेदन-पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा लेकिन उसके प्रवेश को अनन्तम सम्भवा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 20 अगस्त, 1992 तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—आपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को वैकल्पिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता नहीं है लेकिन ऐसी अर्हताएँ हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4) — जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा हैं वे प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर प्रवेश परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7 उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्दिष्ट फीस दें।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकांक्षिक या वैयक्तिक दूर कर्मचारी में इतर स्थाई या अस्थायी ह्रासयत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की ह्रासयत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवागत हैं, उन्हें यह परिचयन (अंतर-टर्किंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियुक्ति से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति प्रोक्त हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9 परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10 जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का दोषी घोषित होना है या हो चुका है —

- (1) किसी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनिर्णयित या अनचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनचित तरीके अपनाए हों; या
- (8) उत्तर पत्रिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; और
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चक्रान्ते के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की कार्यात्मक क्षति पहुँचाई हो; या
- (11) परीक्षा की अनुमति देने वाले उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुबोधों का उल्लंघन किया हो; अथवा

(12) उपर्युक्त वाक्यांश में निर्धारित सभी या कोई भी कार्य करने का प्रयास करने या उसे अवरोधित करने जैसा भी सामना हो, या दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के उद्दिष्ट्य निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है —

(क) आयोग द्वारा तब तक परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, वहमें घोषित किया जा सकता है; और या

(ख) उसे स्थाई रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित में निर्धारित किया जा सकता है —

(1) आयोग द्वारा यह आगोजित परीक्षा या चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में है तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई व्यक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक —

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहते, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमन राक्ष्य में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंकों अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्थविके में निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तित्व परीक्षा में साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उसके लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के उद्देश्य में सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13 (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप से प्राप्त उसके कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम में उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुसंधान करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुसंधान की जा सकती है बशर्ते कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

अतः कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के जिन उम्मीदवार की इस उप नियम में उल्लिखित छूट दिए बिना आयोग द्वारा अनुसंधान की गई हो उन्हें अनुसूचित जाति

तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समाशोधित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल जिस रूप में और किस ढंग में भेजा जाये, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पूर्व कृत का ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य का कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टर की परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात सुनाई दे कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उसकी डाक्टर की जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगी (शनिवार, रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टर की जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेल बसन्त लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार अस्वस्थ सगाए हों तो उन्हें हाल ही के अर्थों के नम्बर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टर की जांच की तारीख या स्थान परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टर की जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।—

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको (सोलह रुपये) रु. 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टर की जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टर की जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उसके रेल मंत्रालय (रैलवे बोर्ड) द्वारा डाक्टर की जांच में संबंधित अलग से कोई मचना नहीं भेजी जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो उनको लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में विशेष के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों

को किसी प्रकार की डाक्टर की परीक्षा होगी और इसमें उनसे किसी स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका ध्यान इन नियमों के परिशिष्ट में दिया गया है। अपाहिज, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति :

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक परनी/प्रिसका पति जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने एक परनी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीकार्य विधि के अंतर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमत्त है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के लिए अप्रेंटिसों की शर्त परिशिष्ट-3 में दी गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

मसिहूजामन, सचिव
रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

(बीसिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग—1 नीचे दशाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग—2 व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (बीसिए नियम 12)

2. भाग 1 के अंतर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्न-लिखित होंगे :—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1	अंग्रेजी	01	2 घण्टे	100
2	सामान्य विज्ञान	02	2 घण्टे	100
3	भौतिकी	03	2 घण्टे	100
4	रासायन विज्ञान	04	2 घण्टे	100
5	गणित—I (बीज गणित, प्रारम्भिक विस्तार कलन, त्रिकोणमिति और विश्लेषणात्मक ज्यामिति)	05	2 घण्टे	100
6	गणित—II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थितिकी तथा भौतिकी)	06	2 घण्टे	100
7	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घण्टे	100
योग				700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "वस्तुपरक प्रश्न" होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुबंध-2) के साथ लगी उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" देखें। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

4. प्रश्न-पत्र में जहाँ आवश्यक हों केवल माप व तोल की मेट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इष्टरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. जायोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए बहुत अधिक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कलकलेंटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 01) प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार को समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

मातापिता ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश :

जीवन का विकास पीछे और पशु वंशागत और परिवेश आनु-वंशिकी प्रकोष्ठ क्रोमोसोम जीनस।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार संतुलित भोजन प्रति-रक्षात्मक क्षमता महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम सहित लिंग स्वास्थ्य और स्वच्छता वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोक-थाम, खाद्य अपशिष्टों का प्रयोग और उनसे निर्मित उत्पादों को प्रयोग के प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट जनसंख्या नियंत्रण, खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पक्षियों का संवर्धन, कृत्रिम गर्भाधान, खाद्य और उर्वरक, कृषि के लिए उपाय, अधिकतम क्रिस्में और हरित क्रांति भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसलें।

घर परिवार और पृथ्वी। जलवायु मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग प्राकृतिक संकट (चक्रवात, तूफान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी उद्गार)। पर्वत और नदियाँ और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उद्योगों का वितरण तेल सहित भूगत खनिजों को खोज। भारत के वनस्पतिजात और प्राणिजात के विषय संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधन।

भारत का इतिहास राजनीति और समाज :

औद्योगिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, गुप्त, कान्धू कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन स्तम्भ, स्तूप कन्यारण, सांची, मथुरा और गन्धर्व विद्यालय मंदिर वास्तुकला जर्जरता और एलोरा)।

इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद में पूँजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अन्तर्गत और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख-राजनीतिक विचार धाराएँ—लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेस चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण छोड़ शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो बर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूब और सांस्कृतिक कार्य-कलाप सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था से हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता सामा-जिक नियंत्रण, पुरस्कार और सभा, कला, कानून, रीति-रिवाज गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक, नियंत्रण की एजेंसियाँ—परिवार, धर्म, राज्य शैक्षिक संस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन के कारण, आर्थिक, प्रौद्योगिकीय जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन :

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, युष्क यक्षान्ति, भीख मांगना, औषध अपराधवस्तु और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय साम्प्रदायिक विकास का कल्याण और धर्म, कल्याण, अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास स्कीमी और साधन जटिलता के संबंध में मूल्य स्थिरीकरण समस्याएँ भारत की पंचवर्षीय योजनाएँ।

भौतिकी (कोड सं. 03)

बर्नियर, स्क्रूगेज, स्फिरोमीटर और बाप्टीकल लीवर का प्रयोग करते हुए लंबाई की माप।

समय और द्रव्यमान का माप :

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच संबंध।

न्यूटन के गति के नियम, संवेग, भार, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

धर्षण गुणांक :

बल क्रिया के अंतर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आधुन, पृथगपत न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार । गुरुत्व केन्द्र । एक समान चक्रीय गति । अभिकेन्द्र बल । सरल आवर्त गति । सरल लालक ।

द्रव में बहाव और इसकी विभिन्न गहराई । वाष्कल का नियम । आर्कमिडीज का सिद्धांत, तरंगे वाले पिण्ड, परिवेशी बहाव और इसकी माप :

तापमान और इसकी माप । तपीय प्रसार । गैस नियम और परम ताप । विशिष्ट उष्मा । गुप्त उष्मा और उसकी माप । गैस की विशिष्ट उष्मा । उष्मा का यांत्रिक समकक्ष आंतरिक ऊर्जा और उष्मागतिकी का पहला नियम । समपाती और रुद्धघोष्य परिवर्तन ।

उष्मा संचरण, तापीय चालकता :

तरंग गति गनदर्श और अनुप्रस्थ तरंगें । प्रगामी और अप्रगामी तरंगें । गैस में ध्वनी का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता । अनुनाद परिघटना (वायु स्तम्भ और रज्ज)

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन । वक्र वषणा और लेंसों द्वारा चित्र रचना । सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (छिष्ट दोष) ।

प्रश्न :—विषयन और प्रकीर्णन । न्यूनतम विचलन द्वय स्पेक्ट्रम ।

छद्म चन्द्रक का क्षेत्र । चन्द्रकीय आवर्ण । भू चन्द्रकीय क्षेत्र के तत्त्व चन्द्रकत्वमापी । जाय, पैरा और फेरी चन्द्रकत्व ।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव का कोलम्ब नियम ।

विद्युत धारा—विद्युत सेल, ई.एम.ई., प्रतिरोध एमीटर और वोल्टमीटर । ओह्म का नियम : क्षेपी और समान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता धारा का तापन प्रभाव ।

क्यूटस्टोन पिण्ड, विभवमापी ।

धारा का चन्द्रकीय प्रभाव : सीधे तार कूंडली और सोलि-मायड : विद्युत चन्द्रक, विद्युत घंटी ।

चन्द्रकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल; बल कूंडली-धारामापी, एमीटर या बाल्टमीटर, परिवर्तन ।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम ।

विद्युतचन्द्रकीय प्रेरणा सरल ए. सी. तथा डी. सी. जनित्र । ट्रांसफार्मर । अपघटन कूंडली ।

कैथोड किरणें, एलक्ट्रान का साज, परमाणु का बाह्य माइल बायोड और परिशाधक के रूप में इसका उपयोग ।

एक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग ।

रेडियोधर्मिता—एन्का, डेटा और गामा किरणें ।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन, : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन ध्रुवलता अभिक्रिया ।

रसायन विज्ञान (कोड सं. 04) :

भौतिकी रसायन विज्ञान :

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण माइल । त्रिविम माइल के रूप में परमाणु । कक्षाएं परिसंकेतना । क्वांटम, संख्या और उनकी विशेषता; द्युल आरम्भिक । अभिक्रिया । माली का अपवर्जन सिद्धांत । इलेक्ट्रोनिक विन्यास । अफन सिद्धांत एम. पी. डी. और एफ. ब्लाक तत्व ।

आवर्ती वर्गीकरण :—केवल बीर्ष रूप । आवर्त और इलेक्ट्रोनिक विन्यास परमाणु अनुपात । आवर्तक और ग्रुपों में विद्युत नकारात्मकता ।

2. रासायनिक आबंधन, इलेक्ट्रॉनेट, कोबलेट कोर्डिनेट, की ब्रैलेट बंधन । जा. तथा एक्स । बंधनों के बंधन गुण, बल, हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं का आकार । मालेक्यूलर सबंध और हाइड्रोजन आबंधन ।

3. रासायनिक अभिक्रिया, ऊर्जा परिवर्तन, उष्मा उत्पत्ती और उष्माशीली अभिक्रिया । उष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग । स्थिर उष्मा संकलन का हेंस का नियम ।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दर । द्रव्यमान का क्षेत्र का नियम । दबाव के प्रभाव । तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ला केटीनियर के सिद्धांत पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं । सक्रियण का ऊर्जा परिकल्पना । अमोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग ।

5. विलयन, वास्तविक विलयन, कोलोइड विलयन और स्थगन । इन विलयनों के अनुसंधान गुणधर्म और विलान पदार्थों के अणु भार निर्दिष्ट करना । क्वाली बिंदुओं का उनयन हिमांक अवसादन । अस्मट बहाव । रास्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया) ।

6. विद्युत रसायन विज्ञान :—विद्युत अपघटन । विद्युत अपघटन का फैराडे नियम । आयनी संयोजन । घुसनीलता उत्पाद । प्रबल तथा क्षीण अपघटन । अम्ल तथा बेस (लोबल तथा बर्निस्टाड की परिकल्पना) पी. एच. तथा उभय प्रतिरोधी विलयन ।

7. आक्सीजन अपचयन :—आधुनिकी इलेक्ट्रोनिक परिकल्पना और आक्सीजन अंक ।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मिकता :—नाभिकीय विखंडन और संलयन । विघट नाभिक समस्थानिकों के उपयोग अकार्बनिक रसायन विज्ञान ।

अजीव रसायन विज्ञान :—

तत्त्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण ।

1. हाइड्रोजन : अवत तालिका में स्थित हाइड्रोजन का समस्थानिक—गुणात्मक तथा घनात्मक विद्युति । जल, कठोर तथा मृदु जल, उद्यानों में जल का उपयोग । भारी पानी और इसके उपयोग ।

2. ग्रुप 1 तत्व । सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण सोडियम कार्बोनेट । सोडियम वाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड ।

3. ग्रुप 2 तत्व । आस तथा बुझा हुआ चूना । जिप्सम का प्लास्टर आफ पेरिस । मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया ।

4. ग्रुप 3 बोरक्स, एलमिया तत्व और एलम ।

5. ग्रुप 4 तत्व । कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन । तिथि-कोट, जोलिटिस तथा अर्द्ध सूक्ष्मक । शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया) ।

6. ग्रुप 5 तत्त्व । अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का निर्माण । गैस फास्फेट और रिनापट विद्यासलाह ।

7. ग्रुप 6 तत्त्व । हाइड्रोजन और आक्साइड, गंधक सल्फ्यूरिक अम्ल की उपरुपता गंधक के आक्साइड ।

8. ग्रुप 7 तत्त्व । फ्लूरीन, क्लोरीन, ब्रोमीन और आयोडीन का निर्माण तथा उपयोग । हाइड्रोक्लोरिक एसिड । स्लीचिंग पाउडर ।

9. ग्रुप (उत्कृष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग ।

10. धातुकर्मिय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम । चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट संदर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियाँ । इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्र धातु : निकिल मैंगनीज इस्पात ।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप । संस्करण जी. एन. बंधन तथा उनकी सार्पक्षित शक्ति । जल तथा बहुबंधन अणु का आकार । ज्योमितीय तथा प्रकाशीय समावयवता ।

2. एल्केन; एल्कीन और एल्कलीन के तैयार करने के गुणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियाँ । पेट्रोलियम और इसका परिष्करण, ईंधन के रूप में इसके उपयोग ।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन—

अनुवाद और एरोमैटिकता । बैन्जीन तथा नैफ्थालीन और उसके साक्ष्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ ।

3. हेलोजीन व्युत्पत्तियाँ; क्लोरोफार्म, कार्बन टेट्राक्लोराइड, क्लोरोबेन्जीन—डी. डी. टी. और गमबसीन ।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल, मिथनोल, एथनोल, ग्लाइसेरॉल और फिनॉल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग । एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ ।

5. प्रथम—हाइड्राइल ईथर ।

6. एल्डीहाइड्स और केन्टास । फार्मलडीहाइड । एसीटोल्हाइड बेंजेलहाइड, एसीटीन एस्साटाफोनील ।

7. नाइट्रो योगिक एमीन, नाइट्रोबेन्जीन, टी. एन. टी. । एनीलाम डाइजीनियम योगिक । एजोहाइड्रोजन ।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मिक, एसीटिक, बेंजोइक और सैलिसिलिक अम्ल, एसीटाइल सैलिसिलिक अम्ल ।

9. एस्टर एथालरामीटड, मिथाइल, सेलीसिलेटस, इथाइल बन्जार ।

10. पालीमर्स । पोलिथीन टंजलान, प्सपेक्स, कृत्रिम रबड़, नायलान और पॉलिस्टिल ।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, बसा और लिपीड्स, एमीनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हर्मोन्स की संरचनात्मक अभिक्रिया ।

गणित-1 (कोड सं. 05) ।

बीज गणित

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक । पूर्णांक । परिमेय और अपरिमेय तथा उसके प्रारम्भिक गुणधर्म ।

प्रारम्भिक अंक सिद्धान्त—विभाजा, लैंगोरिथम विधि ।

अभाज्य और संयुक्त संस्थाएँ, गणित तथा गुणनखंड-गुणनखंड प्रमेय । महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्त्य यूक्लीडीन एल्गोरिथम ।

लघुगुणक और उसका प्रयोग :

आधारी संचिका : सरल गुणनखण्ड । बहु-पदों का महत्तम समापवर्तक, लघुत्तम समापवर्त्य । द्विघाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणांक में संबंध ।

भाजिक एल्गोरिथम ।

सूचकों के नियम ए. पी. और जी. टी. ज्यामितीय श्रृंखणों और उसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग ।

क्रमचय और सन्तानेन । घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विपद परिमेय । मिनिकटन के लिए परिमेय सूचकों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग ।

गुणपत योगिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनके हल । एक्स¹, एक्स² और एक्स³ पर वाई के लिए हुए मूल्या के लिए द्विघाती ब्रक वाई = ए. + बी. एक्स + सी । एक्स² का संयोजन ।

गुणवत रैखिक असमिका (दो अज्ञात संख्याओं) में और उनका ग्राफ । 2×2 मैट्रिक्स और प्रारम्भिक संचिका । तत्समक आब्यूह । 3 से अधिक क्रम का आव्य निरूपण का विषय ।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृति का क्षेत्रफल । चनों पिरामिडों लम्बा वृत्तीय बेलनों के आयतन और धरातल—शंकु और गालक ।

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियाँ और रेडियन में माप । त्रिकोण मित्ति अनुपात । योग के सूत्र । कोणों के अपवर्त्य और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टनजेंट । साइन की लाइन और टनजेंट का अवर्तितता और ग्राफ । सरल ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न ।

त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल ।

ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न :

विवलेषक ज्यामितीय

समतल में रेखा का समीकरण । प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण । दो रेखाओं के बीच कोण । समान्तर और लम्बी रेखाएँ ।

दो सीधी रेखाओं का काटिस्थान समीकरण ।

वृत्त का समीकरण । सामान्य समीकरण । वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण । दो वृत्तों के मूलाक्ष । वृत्तकूला ।

परवलय दीर्घवृत्त, और अतिपरवलय का नक भी रण । वक्र पर किसी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण ।

गणित-1 । (कोड सं. 06)

कलन (अवकलन और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उसके ग्राफ । संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वास्तविक फलनों का बीजगणित परिमेय और त्रिकोणमित्य फलनों के उदाहरण और फल-फलन ।

सीधा भारण और फलन और योगस्तर का सातत्य फलनों की उत्पत्ति और भागफल।

किसी बिन्दु पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन का तत्क्षणिक दर के रूप में व्युत्पन्न और चक्र का ढाल।

फलनों के योग, अन्तर गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ, संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ। बहु-पद फलनों, परिमर फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ।

फलनों का आद्य धर्धार अनिवार्य पूर्णांक

सरल मामलों में आद्य की परिगणन (सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशतः समेकन।

यांत्रिकी (संविज्ञ पद्धतियों की अनुमति होगी)।

स्थितिकी 3 बल का निरूपण बल समान्तर चतुर्भुज। बल का संयोजन और विभेदन और समविध और विपरीत बल। आघर्षण बल गुण। संतुलन के प्रतिबंधसंगामी (बल और सम-तलीय बल 4 के अधिक नहीं)।

चक्र त्रिभुज।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केन्द्र।

कार्य और शक्ति। मध्य ध्रुव (लोचन धिरनी तत्त्व नियम)।

गति की कण का विस्थापन गति वग और स्वरण। सतत स्वरण के अंतर्गत, सीधी रेखा में गति। प्रक्षेपी से संबंध सरल प्रश्न। एक रस्सी से बन्ने दो द्रव्यमानों की गति। ऊर्जा विनिर्गम।

मानवैज्ञानिक परीक्षण (कांड स 07)

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवारों को दृनियावी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक एस आइ द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा बाह्यी दोनों प्रकार के जीवन युक्त का अभिलेख होगा। उनमें सामान्य हित के मामलों से संबंध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नैतिक में पहल-शक्ति और वैश्विक उत्सुकता व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति व्यवहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की स्पष्टनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

परिशिष्ट-2

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षाओं और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम उपेक्षाओं को पुरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड

को भारत सरकार का उसकी अनुशासा करने का अधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड इस आदेश के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अमुक उम्मीदवार सरकार को हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार का चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ क्षमतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, ऊँचाई और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध की वारों में मॉडकल बोर्ड के ऊपर यह छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाये। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में त्रिव्यमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रहना चाहिए और उनकी छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मापक निम्नलिखित है। जिसके बिना पूरा उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

	छाती का घेरा कौमार्थ (पुरुष फुटकर)		
	कद से.मी.	से.मी.	से.मी.
पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84	4
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	74	5

अनुसूचित जनजातियों, तथा गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जैसी जातियों जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने पूरे उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) इस प्रकार सटाकर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पाँवों के अंगूठों या किसी हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिण्डलिया, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटवैक्स आफ दी हेड लेवल) हारिजेंटल बार आइडी (छड़) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर के ऊपर खड़ी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी

किनारा असफलक (साल्डर ब्लड) के निम्न काणी (इन्कीरीयर एबिल्स) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिद के जाने पर (आड़े समतल उसी हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें अरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्ध ऊपर या पीछे की ओर न किए जाए ताकि फीता अपने स्थान से हट न आये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम, अधिक से अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84--89, 80--83 आदि। माप, रिकार्ड करत समय आधा सेंटोमीटर में कम भिन्न प्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अन्तिम निर्णय में पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता एनामिलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कार्टिलेजस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उस अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी) —दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चक्षु के बिना आंख की नजर (नकड आई विजन) का कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी। किन्तु प्रत्येक माप में मंडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारों द्वारा इस रिकार्ड किया जाएगा, क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि सूक्ष्मता रेल बोर्ड की लिक्विड आधिकारियों की स्थाई सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

विशेष ध्यान—नीचे निर्धारित स्तर का या उम्मीदवार द्वारा नहीं करके उन्हें नियमित रूप से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चक्षु के साथ और चक्षु के बिना दृष्टि सूक्ष्मता का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवार के लिए	6/6 अथवा 6/9 अथवा	6/12 अथवा 6/9	जे०-I	जे०-II

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हापरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फडूस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी शारीरिक दशा हो जा कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग संकेत के प्रभाव से और हिच-काहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इतिहासों की प्लेटों और एडिग्रिन जैसी वॉनो मैटर्न का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो मैटर्न में एप्पेंडर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
	हायर	लोअर
1. लेम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	10 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एप्पेंडर) का आकार	1.3 मी० मीटर	1.3 मी० मीटर
3. उदासीन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास के अप्रेंटिसेज के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—मभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कन्फेन्टेशन मैथड) द्वारा यूनिट दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या गविराह हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पेगमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

राष्ट्र (नॉस्ट क्लाइडनेस)—कबल विशेष मामला को ध्यान में रखते हुए जांच नमी रूप में नहीं है। नतीजा 1 दिशा में 2 दिशा में उच्च करने के लिए आइड स्टैन्डर्ड

टैस्ट निर्दिष्ट नहीं है। मॉडकल बोर्ड का ही ऐसे काम-चलाऊ टैस्ट कर लेना चाहिए। जैसे राशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे दिव्य चीजा को पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवार को बहुत पर है हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए, किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)

दृष्टि से तीक्ष्णता से भिन्न आख की दशा आक्यूलर कंडीशन।

(क) आख की अग सबधी बिमारी का या बढ़ता हुआ अपवर्तन घूटी (रिफ्रैक्टिव एरर), जिसको परिणाम-स्वरूप दृष्टि को तीक्ष्णता के कम होने को सम्भावना है, अयोग्यता के कारण समझा जाना चाहिए।

(ख) भंगापन—जहाँ दाना आख की दृष्टि का होना जरूरी है भंगापन अयोग्यता माना जाएगा चाह दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की हो क्यों न हो।

(ग) एक आख वाला व्यक्ति—एक आख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी (6)

कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आख का परीक्षण करते समय दूर का दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्त 15 फुट कान्डल का प्रदीप्त असा हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शत का शिथिल करने की छूट सरकार का है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेंगा। नामल मक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन का क्रमबद्धावधि विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्षों के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।

(2) 25 वर्ष की ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 जमा आयु का सामान्य नियम बिल्कुल सतार्थजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल के रखने की रिपोर्ट में यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़ा समय रहने वाला हमका कारण कोई कारिण (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में दृढ़ का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निवास (क्लियरेंस) की जांच की भी नेमी धार पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मॉडकल बोर्ड का होगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पात्र वाले दाब मापी (मेकरी मानामीटर) किम्स का प्रयोग (उपयोग) प्रयोग करना चाहिए। किसी किम्स से व्यापक हो इकराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं

होना चाहिए। रोगी बैठे हो या लेटे हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी आख शिथिल और आराम से हो। यह थाड़ा बहुत ही जरूरी स्थिति में रोगी के पाशव पर हो तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कंधे में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच में रखे भूजा के अन्दर को आर रखकर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े का पट्टा का फालाकर समान रूप से लपटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

नाहना के नाक पर बाह्र धमनी (बीकजल आर्टरी) का दबा-बहा कर डूबा जाता है और तब इसके ऊपर बाबा-बाच रडथास्काप को हल्के से लगाया जाता है जो कंधे के साथ न लगे। कंधे में लगभग 200 एम. एम. जा. हवा भरा जाता है इसके बाद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनिया सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर धारा का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो धारा तब ध्वनिया सुनाई पड़गी। जिस स्तर पर साफ धारा अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की दबाई हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ा अवधि में हो लेना चाहिए क्योंकि कंधे से लंबे समय का दबाव रोगी के लिए कामकाजी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दाबारा पड़ताल करनी जरूरी है तो कंधे में से पूरा हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कंधे में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक ध्वनिया सुनाई पड़ती है, दाब गिरने पर य गायब हो जाता है तथा निम्नस्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस 'साइलेंट गैप' से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक का उपस्थिति में किए गए मूत्र को भी परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मॉडकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शीतक चिन्ह और लक्षणा को भी ध्यान से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार की ग्लूकोज में (ग्लाइकोसुरिया) के सिवाय अपेक्षित मॉडकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज में अमधुमेही (नॉन डायबिटिक) है और इस बोर्ड का इस कंस मॉडिसन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हैं। मॉडकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लडशूगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल लैबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मॉडकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मॉडकल बोर्ड की 'फिट' 'अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह धारा हो सकता है कि उम्मीदवार का कोई दिन तक अस्पताल में देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्थायी घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका स्वस्थ होना न हो जाए। किसी रीजिस्टर्ड चिकित्सा अध्यापी को स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूती की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) व हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्त कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

चिकित्सा परीक्षा अधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शन जानकारी दी जाती है :—

(i) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान सामान्य होगा।

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पवों पर नियुक्ति के लिये अयोग्य।

(ii) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण के धिये संज्ञ (हियरिंग एड) कुछ सुधार संभव हो।

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज पवों पर नियुक्ति के द्वारा अयोग्य।

(iii) सेंट्रल अथवा माजिमल टाइप के डिमपेनिक मेम्बन का छिद्र कर्ण पटल का कोई छिद्र ठीक न हो तो अयोग्य किन्तु बिलम घाव का निशान अयोग्यता का कारण नहीं माना जाएगा।

(iv) कान के एक और दोनों और मस्टाइट कैविटी से सबनार्मल श्रवण।

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के पवों के लिये अयोग्य।

(v) बहुते रहने वाला आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन किया गया।

एकमात्र और गैर-सकनीकी पवों के लिये अस्थाई रूप से अयोग्य।

(vi) नासापुट की हड्डी सम्बन्धी बिषमताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक के जीर्ण प्रवाहक आल-जिक दया।

(i) प्रत्येक मामले का परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जायगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट आफसरण बिद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।

(vii) टॉसिल्ल और/अथवा स्वर यंत्र (लारिक्स) की जीर्ण बाह्य वशा।

(i) टॉसिल्ल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक वशा योग्य।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता बिद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।

(viii) कान/नाक/गले (ई० एम० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर वृद्धतयुग्मर।

(i) हल्का टयुग्मर अस्थाई/स्थाई रूप से अयोग्य।

(ii) वृद्धतयुग्मर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद 30 हॅसी-बेस श्रवणता के अन्दर होवे पर योग्य।

(ix) आस्टोक्लिरोसिस

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिये अयोग्य। आपरेशन के बाद श्रवण सहायक यंत्रों की सहायता से सुनाई देने की मात्रा 30 डेसिबल के अन्दर होने पर स्वस्थ।

(x) कान, नाक बयबा गले के जर्म्-बात रोग।

(i) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य।

(ii) भारी मात्रा में हफलाहुट हो तो अयोग्य।

(xi) बबलपोली

अस्थाई रूप से अयोग्य।

(क) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालात में हों या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हों या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उम्रे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उम्रे रण्धर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकेसिल, बेरिकेसिल (शिवाबेन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकसित अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्व-संज्ञ रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उम्रे कोई चिरस्थाई एववा बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जम्बजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उम्रे किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं। जिनमें कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11 दिल और फेफड़ों की ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो उसी मामले में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख बनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयुटी में इसे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी (क)—उम्मीदवारों को बतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—आ. बोर्ड विशेष हो या स्थाई हो—को विवाद अपील करने का अधिकार नहीं है, किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर किा जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो वह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के मामले अपील की इजाजत न दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पढ़ाने चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख में एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए। अन्यथा हमारे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिर्देशों में निर्णय सम्बन्धी त्रुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण पत्र के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसी प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक इसमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि वह टिप्पणी इस तथ्य की पूरी तरह जानती हुई अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया।

टिप्पणी (ख)—अपीलीय चिकित्सा बोर्ड के बावजूद कोई अन्य अपील स्वीकार्य नहीं होगी और अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय फाइनल होगा।

मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड्स में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हों) के लिए गृहाण्य करनी चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथार्थस्थिति सर-कार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अधिकारी) को यह तयल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक कमजोरी (डाइजली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उत्पन्न हो सकता है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगीयों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालात में नहीं दी जाती चाहिए जबकि कोई ऐसा दोष हो जो केवल वर्तमान समय स्थितियों में निरन्तर कारणर सेवा में लायक पाया गया हो।

4. महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जायेगा।

5. डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताया जा सकता है किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई उसका विस्तृत विवरण नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामले में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय संचित किया जाने से कोई आपत्ति

नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित शेषान्वी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें।

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया जैसी जातियों नागालैण्ड जन-जाति आदि में से किसी से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद दूसरों से कम होता है "हो" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हो" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियों, (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थक में खन जाना, दमा, बिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूँछों के बारे में रूमेटिज्म एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है ?

5. क्या आप या आपका कोई निकट का सम्बन्धी कभी कन्जम्प्शन सीरोफला गाउट, दमा, दौरे अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है ?

6. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?

7. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरा दें :—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय पिता आप के कितने भाई आपके कितने			
हो तो उनकी आयु की आयु और मृत्यु जीवित हैं उनकी भाइयों की मृत्यु			
और स्वास्थ्य की अवस्था का कारण आयु और स्वास्थ्य हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण			
1	2	3	4
यदि माता जीवित मृत्यु के समय आपकी कितनी			
हो तो उनकी आयु माता की आयु और बहनें जीवित हैं बहनों की मृत्यु			
और स्वास्थ्य की मृत्यु का कारण उनकी आयु और हो चुकी है मृत्यु के			
अवस्था स्वास्थ्य की अवस्था समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण			
5	6	7	8

8. क्या इसकी पहचान किसी मेडिकल बोर्ड में आपकी परीक्षा की है ?

9. यदि ऊपर से प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं में लिये आपकी परीक्षा की है ?

10. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

11. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

12. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपकी बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी सवाल सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किये

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा । जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति को बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो कार्यक्षम निवृत्ति भत्ता (सुपर-एनूएशन अलाउन्स) या उपदान (ग्रेज्यूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ब) (उम्मीदवार का नाम)
की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा
बीज का काम
पोषण : पतला (बीसत)
मोटा कद (बूते उतारकर)
वजन अत्युत्तम वजन कब था ?
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमान
छाती का धर
(1) पूरा सांस ढींचने पर
(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा—कोई जाहिर बीमारी ।

3. नेत्र ।

(1) कोई बीमारी
(2) रतींधी
(3) कलर विजन व दोष
(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)
(6) कण्डस की जांच

दृष्टि की तीक्ष्णता चरम के बिना	चरम से	चरम की पांच इकीसल परसक
दूर की नजर	दा० ने० बा० ने०	
पास की नजर	दा० ने० बा० ने०	
हाईपरमीट्रिपिया (व्यक्त)	दा० ने० बा० ने०	

4. कम 1 निरीक्षण सूचना
बायीं कान बायीं
बायीं बायीं

5. प्रथिया पाइराइड

6. बातों की हालत ।
.....

7. श्वसन तन्त्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा ?

यदि पता लगा है तो पूरा ब्यौरा दे
पारसंचरण तन्त्र (सर्क्युलेटरी सिस्टम)

8. हृदय : कोई आंगिक शिक्षण कार्बनिक सीजन—
गति (रेट) खड़े होने पर

25 बार कुदाएँ जाने के बाद
कुदाएँ जाने के 2 मिनट बाद
ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक
डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) घंटा स्पर्श सहायता हर्निया
.....
.....

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर
तिल्ली गुद ट्यूमर
.....

(ख) स्कतार्श
भगंदर

10. तांत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत
ताल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
कोई अपसामान्यता

11. तांत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक हाइड्रोसेल, बेरिकोसेल आदि का कोई संकेत :—

12. सूत्र परीक्षा :—

(क) कौसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्बूमिन

(घ) शक्कर

(ङ) काप्टस

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट ।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी की दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, वहीखए विनियम 9.1.1

15. उम्मीदवार परीक्षा पास कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के बंधन सतत निष्ठावान हूँ सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है।

स्थान.....

तारीख.....

अध्यक्ष.....

सदस्य.....

परिशिष्ट 3

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रैन्टिस हूँ अप्रैन्टिसशिप की शर्तें

अप्रैन्टिसशिप की शर्तों का उल्लेख इन्डियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रैन्टिस की शुरुआत में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाधक अनुबंध पत्र में अंतर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उनकी अप्रैन्टिसशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तभी रखी जाएगी जब जिस अधिकारी की अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रैन्टिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने निरिष्ट अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रैन्टिसशिप से हटाकर दिया जाएगा।

टिप्पणी :—भारत सरकार अपनी विवेका पर प्रशिक्षण की अवधि तथा जोस में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है।

2. अप्रैन्टिसशिप की चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रैन्टिसों को इस अवधि के दौरान या तो कार्गोसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एग्जामिनेशन (लंदन) का भाग-1 और भाग-2 इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया) एग्जामिनेशन की एसोसिएट मॅम्बरशिप का संक्षेप 'ए' और 'बी' जबकि पास करना चाहिए। अप्रैन्टिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रैन्टिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करने और इसमें कुल छह सिमेंटर परीक्षाएं होंगी जिनमें प्रत्येक का उत्तीर्ण

करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निचले बेंच में चले जाने को या अप्रैन्टिसशिप से हटा जाने का कहा जाएगा।

टिप्पणी :—सिवाए इस कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधीनता असयम या अन्य कयाचार का दावा पाया जाता है या कोई करार भंग कर दिया जाता है अप्रैन्टिसशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण को चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रैन्टिसों की एक सूची दी गई परीक्षा या अप्रैन्टिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योग्यताक्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रैन्टिस यांत्रिकी इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

टिप्पणी :—किसी भी प्रशिक्षु को अर्द्ध स्तर पर योग्यता संयुक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेंटर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों, जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेंटर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षता असफल रही, प्रशिक्षता से निवृत्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रैन्टिसशिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट 4 के नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रैन्टिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के बेटे एवं मेधा की सामान्य शर्तों की विवरण परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

परिशिष्ट-4

यांत्रिकी इंजीनियरी का भारतीय रेल सेवा से सम्बन्धित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रैन्टिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ल) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद का हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रैन्टिसों के जो अपने अप्रैन्टिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए. एम. आई. एम. ई. (लंदन) के भाग 1 और 2 ई. ए. एम. आई. (इण्डिया) के भाग ए. और बी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिवीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नाट.—(1) परिवीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक वृत्तन सूचियां स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनको एक या बनेक भारतीय रेलवे क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संशोधित भी हो सकता है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालयों में या इन्जीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक वषा के बाद अभिर्यता और जिस रेलवे में परिवीक्षित की नियुक्ति होती है, यहाँ के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी। जिसमें अहर्ता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत बंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवीक्षा की अवधि में उनको रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें बसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब तक कुछ अपवादिक परिस्थितियाँ न हों और अधिकारियों का कार्य लेब इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करे। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हो उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्रायकलन सामान्य और आनुशंगिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम करने का कौशल तथा परिवीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी सामान्य अनुपयुक्तता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वृत्तन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्तर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस वषा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की वृत्तन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ अपवादिक परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेब कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त माना जा सके।

ध्यान दें सरकार, अपने निर्णय के, किसी भी कार्यभारी पद की प्रशिक्षण अवधि में और परिवीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण

की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परिवीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परिवीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परिवीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के माध्यम द्वारा आयोजित हिन्दी प्रवीण या क्षेत्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी वृत्तन सामयिक वृत्तनमान में रु. 2350.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद परीक्षा के आधार पर यांत्रिक इन्जीनियरों की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें, उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को।

(क) परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपयुक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी,

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इन्जीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों को जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं लागू है।

7. परिवीक्षाधीन अधिकारियों के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं अनुसार छूट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए उसी रेल में लगे रहेंगे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इन्जीनियरों को भारतीय इलेक्ट्रिकल सभा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरें प्राप्ति हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु. 2200-75-2800 व. रं.-100-4000/-

वरिष्ठ वेतनमान : रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-5000/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1) रु. 5100-150-5700 (2) रु. 5900-200-6700/-

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यात्मक की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले की उक्त समयमान में उनका वेतन 2275.00 रु. प्र. मा. से 2350.00 रु. प्र. मा. तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण को पहले दो वर्षों और परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं 2275.00 रु. से 2350.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस व्यवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन-वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन-वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्वीकृत स्थापना में रिक्तियां होने पर ही होती है और पूरी तरह नियम पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 12th December 1991

RESOLUTION

No. 6/4/90-EPZ.—The tenure of the Advisory Committee on Free Port, set up vide Ministry of Commerce Resolutions No. 6/4/90-EPZ dated 24-12-1990 and 22-7-91, is extended upto the 31st December, 1991.

2. The terms of reference and other particulars mentioned in the Resolutions dated 24-12-1990 and 22-7-1991 remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to Cabinet Secretariat, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Planning Commission and Comptroller & Auditor General of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. ARUNACHALAM, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT. OF AGRI & COOP.)

New Delhi, the 31st October 1991

RESOLUTION

No. 24-1/91-CA.II.—The Government of India have decided to reconstitute the Indian Sugarcane Development Council set up vide Resolution No. 24-1/88-CA.II dated the 30th January, 1991 with immediate effect. The reconstituted Council will be composed as follows :—

I. CHAIRMAN

A non-official to be nominated by the Government of India.

II. VICE CHAIRMAN

Agriculture Commissioner to the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation).

III. MEMBERS

A. Members of Parliament

Three Members of Parliament to be nominated by the Deptt. of Parliamentary Affairs, Two from Lok Sabha and One from Rajya Sabha.

8. Representatives of State Governments

One representative each from the following State Governments in the Deptt. dealing with Sugarcane development to be nominated by the respective State Governments.

1. Andhra Pradesh.
2. Bihar.
3. Haryana
4. Karnataka.
5. Maharashtra.
6. Punjab.
7. Tamil Nadu.
8. Uttar Pradesh.

C. Representatives of Central Government

1. Director General, ICAR or his nominee.
2. Adviser (Agriculture), Planning Commission.
3. One representative of the Ministry of Commerce.
4. Chief Director (Sugar), Department of Food.
5. Joint Secretary (Ext.) Deptt. of Agriculture & Coop.
6. Director, Indian Instt. of Sugarcane Research, Rao Bareilly Road, P.O. Dilkhus, Lucknow-2.
7. Project Coordinator (Sugarcane), Indian Instt. of Sugarcane Research, Lucknow.

8. Project Coordinator (Sugarbeet) U.P. Agriculture University, Pant Nagar, District Nainital.
9. One representative of the Deptt. of Civil Supplies.
10. A representative of the National Bank for Agricultural and Rural Development (NABARD).
11. Joint Commissioner dealing with Sugarcane in the Deptt. of Agriculture & Cooperation.

D. Representatives of Growers

- (a) One representative of the growers to be nominated by the respective State Governments from each of the following Sugarcane growing States :

1. Andhra Pradesh.
2. Bihar.
3. Haryana.
4. Karnataka.
5. Maharashtra.
6. Punjab.
7. Tamil Nadu.
8. U. P.

- (b) One representative of the growers to be nominated by the Government of India.

E. Representatives of Industry

1. One representative of the Indian Sugar Mills Association.
2. One representative of the National Federation of Cooperative Sugarcane Factories.
3. One representative of Gur and Khandsari interest (to be nominated by the Government of U.P.).

F. Representatives of Trade.

One representative each of the Sugar Merchants Association at :—

1. Bombay.
2. Kanpur.
3. Calcutta.

G. Representatives of Workers

- (i) Engaged in farms—one
- (ii) Engaged in factories—One

H. Such other persons as may, from time to time, be nominated by the Government of India.

IV. MEMBER SECRETARY

Director, Dte. of Sugarcane Development Deptt. of Agriculture & Cooperation, C.G.O. Building, Hall No. 331-332 (Third Floor), Hapur Road Chungi, Kamala Nehru Nagar, Ghaziabad. Uttar Pradesh.

V. OBSERVERS

(Who would not be members of the Council but would be invariably invited to assist the Council in its deliberations)

1. Agricultural Marketing Adviser Deptt. of Rural Development, Ministry of Agriculture or his representative;
2. Financial Adviser, Deptt. of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture;
3. Director, National Sugar Institute, Kanpur or his representative;
4. Director, Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore or his representative;
5. Economics and Statistical Adviser, Ministry of Agriculture or his representative;
6. A representative of the National Cooperative Development Corporation.
7. Managing Director, NAFED.

2. The Council will be an *advisory body* and will have the following functions :—

1. To consider development programmes in the Central and State Sectors in respect of Sugarcane and Sugarbeet crops, review progress thereof from time to time and recommend measures for increasing the production of sugarcane and sugarbeet;
2. To consider problems relating to the production, marketing, processing, storage and transport of sugarcane and sugarbeet growers and advise Government in these matters;
3. To consider demands for different varieties of sugarcane and sugarbeet in the domestic as well as export markets and advise Government about necessary adjustments in sugarcane and sugarbeet production programme accordingly;
4. To consider the special needs of small and marginal farmers in respect of sugarcane and sugarbeet production and suggest suitable measures for meeting the same;
5. To facilitate coordination between research and development programme relating to sugarcane and sugarbeet and to advise about the needs for improvement in the quality and productivity of sugarcane and sugarbeet; and
6. To advise Government on such other connected matters as may be considered necessary from time to time.

3. The Council will have the powers to set up Technical Committees, Standing Committees and ad-hoc Committees to look into specific issues and to coopt members such as representative of Agricultural Universities and other special interests as and when necessary, for specific purposes.

4. The Council will meet periodically in areas in which Sugarcane and Sugarbeet are grown and at important centres of sugarcane and sugarbeet trade and industry and will make recommendations to the Government of India.

5. The Council will continue to function until it is abolished by a resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official members of the Council would be three years from the date on which they are nominated on the Council unless this period is curtailed or extended by specific order of the Government of India.

6. Those members of the Council who are nominated from the Members of Parliament will cease to be the members of the Council as soon as they cease to be Members of Parliament.

ORDER

1. ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administration of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

2. ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. K. MITTAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 4th January 1992

No. 91/E(GR)1/1/10.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1992 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3 The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4 A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia, and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1992, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1972, and not later than 1st January, 1976.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or prospective

repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964;

- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (v) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (vi) up to a maximum of five years in case of servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992, and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.

- (vii) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

- (viii) up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

- (ix) up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the

Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes

NOTE I.—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules 1970 as amended from time to time

NOTE II.—Ex-servicemen who have already joined Government jobs on the Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment are not eligible to the age concession under Rule 5(b) (vi) & 5(b)(vii) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate —

- (a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10 plus 2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subject of the examination, or

- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and

either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University, approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : Provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division;

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry or Subjects of the examination.

Note I.—Candidates who are not, awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

Note II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 20th August, 1992

Note III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note IV.—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified as the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them

13 (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed Standard

referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railways Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates, who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturday, Sunday and Closed Holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The candidates may also please note:

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence

Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix-IV.

MASIHUZZAMAN,
Secy., Railway Board

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below:

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl. No.	Subjects	Code No.	Time Allowed	Maximum Marks
1	English	01	2 Hours	100
2	General Knowledge	02	2 Hours	100
3	Physics	03	2 Hours	100
4	Chemistry	04	2 Hours	100
5	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6	Mathematics II (Calculus-Differential and Integral and Mechanics Statics and Dynamics)	06	2 Hours	100
7	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE-II). THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

ENGLISH (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of foodgrains and finished products, population explosion, population control, Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth, Seasons, Climate, Weather Soil—its formation, erosion. Forests and their uses. Natural calamities cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions. Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including Oil, Conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves, Sanchi,

Mathura and Gandharva Schools, Temple architecture, Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of Government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—aims, balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system: the caste system hierarchy—recent changes and trends. Minority social institution—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition. Social control—reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion, agencies of social control—family, religion, state educational institutions, factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, Communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India, community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth. Private and Public Sectors, economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development, inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation; India's Five Year Plans.

PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion, Momentum, impulse, work, energy and power

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity.

Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force simple Harmonic motion Simple pendulum

Pressure in a fluid and its variation with depth Pascal's law Principle of Archimedes. Floating bodies, Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion, Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases, Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic changes Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion, Longitudinal and transverse waves Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings)

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirror and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision

Prisms, deviation and dispersion. Minimum deviation Visible spectrum.

Field due to a bar magnet, Magnetic moment, Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential, Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance, Ammeters and voltmeters. Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; Simple A.C. and D.C. generators. Transformers. Induction coil;

Cathode rays, discovery of the electron, Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy; fission and fusion, conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY (Code No. 04)

Physical Chemistry

Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle Electronic configuration Aufbau Principle, s.p.d and f. block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups

2. Chemical Bonding, Electro-valent covalent Coordinate covalent bonds Bond Properties, sigma and Pie bonds. Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride Molecular association and hydrogen bonding

3. Energy changes in a chemical reaction. Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle) Molecularity, First and Second order reaction Concept of Energy of activation. Application, to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depressions of freezing point, osmotic pressure. Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only)

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis, ionic equilibria, Solubility product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation -Reduction Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity; Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds:

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries, Heavy water and its uses.

2. Group I Elements Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements (Coal Coke and solid Fuels, Silicates Zolites semi-conductors) Glass (Elementary treatment),

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine, Chlorine, Bromine and Iodine, Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes: General Methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals: Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and σ and π bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reaction of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons: Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions

3. Halogen derivatives: Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene. D.D.T. and Gammaxane.

4. Hydroxy Compounds: Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reaction at aliphatic carbon atom.

5. Ethers; Diethyl ether:

6. Aldehydes and ketones: Formaldehyde, Acetaldehyde, Benzaldehyde acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines: Nitrobenzene. TNT, Aniline Diazonium Compounds, Azodyes.

8. Carboxylic acid: Formic, acetic, benzoic and salicylic acids, acetyl salicylic acid.

9. Esters: Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers: Polythene, Tejlon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)

Algebra

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M., Euclidean Algorithm. Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y = a + bx + cx^2$ for given values of y at x^1 , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids, right circular cylinders; cones and spheres.

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians Trigonometrical ratios

Addition formulae Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine and tangent. Solution of simple Trigonometric equations

Simple cases of heights and distances

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angles between two lines. Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles. Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbols. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

MATHEMATICS II (Code No. 06)

Calculus (Differential and Integral)

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Compositions and resolutions of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard.

The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of centimetres to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge

touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84 89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye

The candidate will be examined with the apparatus and accordance to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I	J-II

NOTE : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed+4.00D.

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colours perception should be graded into higher and lower grades depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16 Feet	16 Feet
2. Size of the aperture	13 mm.	13 mm.
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed.

The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) *Squint.*—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed persons.*—One eyed person will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of the candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

The rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic system over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea a clear-

ance test should be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following terms of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiates the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness requires they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit till the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidates hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case hearing is defective the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—
- (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (ii) Perceptive deafness both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices.
- (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.
- (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (v) Persistently discharging ear operated/inoperated. Temporarily unfit or for both technical and non-technical jobs.
- (vi) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If debrated nasal septum is present with symptoms temporarily unfit.
- (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils, and/or larynx—Fit. (ii) Hoarseness or voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. (i) Benign tumours Temporarily unfit. (ii) Malignant tumour—Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
- (ix) Otosclerosis. If the hearing is within 3 decibels after operation with the help of hearing aid Fit.

(x) Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(xi) Nasal Poly-

Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well-formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he/she is not ruptured;

(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his/her limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

(i) that he/she does not suffer from inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE (a) Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

NOTE (b) No appeal would be preferred after Appellate Medical Board and the decision of the Appellate Medical Board would be final.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).

.....

2. State your age and birth place.

.....

3. Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

.....

4. (a) have you ever had small pox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks rheumatism appendicitis.

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....

5. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption serofula gout, asthma, fits, epilepsy or insanity?

.....

6. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

7. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and State of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

8. Have you been examined by a Medical Board before?

.....

9. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for?

.....

10. Who was the examining authority ?
.....

11. When and where was the Medical Board held ?
.....

12. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.
.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature
Signed in my presence
Signature of Chairman of the Board
Signed in my presence.

NOTE. The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Supcrannuation Allowance or Gratuity.

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate)

Physical Examination

1. General Development :

Fair.....

Good.....

Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....

obese.....

Height (without shoes)

Weight.....Best weight.....

When.....Any recent change in weight ?

Temperature

.....

.....

.....

Girth of Chest :— ..

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glasses	
		Sph, Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.		

4. Ears : InspectionHearing.....

Right EarLeft Ear.....

5. Glands Thyroid.....

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.
.....
.....

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : any organic lesion

Rate : Standing.....

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping

Blood pressure :

Diastolic : Systolic

9. Abdomen Girth..... Tenderness.....

..... Hernia.....

(a) palpable : Liver.....

Spleen..... Kidneys.....

Tumours.....

(b) Haemorrhoid..... Fistula.....

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis.

(a) Physical

(b) Spl. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 week standing or over she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15 For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date

Place

President

Member

APPENDIX III

Conditions of Apprenticeship for Special Class

Apprentices Selected through the Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Establishment Manual, brief particulars of which in prescribed form binding himself and one surely jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training

2 The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts I and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of

which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE .—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

NOTE .—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject

4 Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful

5 After successful completion of 4 years apprenticeship the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

1 The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (LONDON)/ Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations

NOTE —(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd year of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each Officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made

NOTE —The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed

satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devnagari script of an approved standard. The examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 2350 00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers :—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund, as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10 The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers

Junior scale . Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Senior scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Senior Administrative Grade : (i) Rs. 5100-150-5700.

(ii) Rs. 5900-200-6700.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 2275 00 p.m. to Rs. 2350 00 p.m. in the time scale.

NOTE 2 :—Increment from Rs. 2275.00 to Rs. 2350 00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11 The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

